PAGE NO.:
DATE: / /

2 बूँद बादलों की गोद से निकलकर आगे चली।

3 बूँद को डर था कि अब में कहाँ गिरूँगी।

4 हम सब भी बूँद की तरह चिंता करते हैं।

प्र.3 निम्नलिखित ~~वाक्यों~~ में सामान्य क्रियाओं की प्रेरणार्थक क्रियाएँ लिखो -

(क) गिरना - गिराना

(ख) हँसना - हँसाना

(ग) सीखना - सीखाना

(घ) दौड़ना - दौड़ाना

(ङ) चमकना - चमकाना

(च) मिलना - मिलाना

Class - 4 Sub - Hindi

PAGE NO

DATE : / /

पाठ - 5

एक बूँद

कवि - श्री अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

शब्दार्थ

जी - मन

कढ़ी - निकली

देव - ईश्वर , भगवान

बदा - लिखा

अँगारा - दहकता हुआ कोयला

चू पड़ना - टपकना

काल - समय

अनमनी - बिना इच्छा के

लौं - समान , तरह

अर्थ कवि कहते हैं उस समय एक ऐसी हवा बहने लगी जिससे वह बूँद अनिच्छा से समुद्र मे एक सुन्दर सीप का मुँह खुला था और वह बूँद उसी सीप में जाकर गिर पड़ी और वह मोती बन गई।

④ लोग यों ही है झिझकते सोचते
जब कि इनको छोड़ना पड़ता है घर।
किंतु घर को छोड़कर अकसर उन्हें
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

अर्थ कवि श्री 'अयोध्या सिंह उपाध्याय' जी कहते है कि बहुत लोग ऐसे है जो घर से बाहर कि निकलते समय झिझकते है, डरते है। लेकिन उन्हें मालूम नहीं कि घर से बाहर निकलकर बाहर की दुनिया को जानना चाहिए और स्वयं को इस दुनिया मे जीने लायक बना लेना चाहिए।

अभ्यास कार्य

प्र.1 सही विकल्प चुनकर लिखो।
(क) बादलों की गोद से कौन निकला ?
(क) सीप (ख) बूँद (ग) मोती
उत्तर (ख) बूँद

(ख) बूँद ने किसका स्मरण किया ?
उत्तर (क) ईश्वर का (ख) सागर का (ग) आग का

PAGE NO.:
DATE: / /

कविता का अर्थ

① क्यों निकलकर बादलों की गोद से
थी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी।
सोचने फिर-फिर यही जी में लगी
आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी।

अर्थ बादलों की गोद में से निकलकर पानी की एक बूँद आगे बढ़ी और बार-बार सोचने लगी कि वह क्यों घर से बाहर निकली।

② देव मेरे भाग्य में है क्या बदा
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में।
या जलूँगी गिर अँगारे पर किसी
चू पड़ूँगी या कमल के फूल में।

अर्थ कवि कहते हैं बूँद भगवान से पूछती है कि वह बच जायेगी या धूल बनकर मिट्टी में समा जायेगी। वह पूछती है कि वह अंगारे में पड़कर जल जायेगी या कमल के फूल के दलों पर गिरकर अपना स्थान ग्रहण करेगी।

③ बह गई उस काल एक ऐसी हवा
वह समुंदर की ओर आई अनमनी।
एक सुंदर सीप का मुँह था खुला
वह उसी में जा पड़ी मोती बनी।

उत्तर ईश्वर का

प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो।

(क) यह कविता किसके बारे में है?
उत्तर यह कविता पानी की एक बूँद के बारे में है।

(ख) बादलों की गोद से निकलते समय बूँद क्या सोच रही थी?
उत्तर बादलों की गोद से निकलते समय बूँद सोच रही थी कि वह घर से बाहर क्यों निकली।

(ग) बूँद कौन-से फूल में गिर सकती थी?
उत्तर बूँद कमल के फूल में गिर सकती थी।

(घ) अंत में बूँद कहाँ गिरी और क्या बनी?

उत्तर अंत में बूँद सीप में गिरी और मोती बन गई।

प्र.3 खाली स्थान भरो :-
निम्नलिखित वाक्यों में 'कि' या 'की' जो उचित हो लिखकर वाक्य पूरे करो—

(1) बूँद ने सोचा कि मैं अपना घर छोड़कर कहाँ जा रही हूँ।